भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

04.12.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1434 का उत्तर

उत्तर प्रदेश में चल रही/लंबित रेलवे परियोजनाएं

1434. श्री प्रवीण पटेल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न रेलवे जोनों में चल रही और लंबित रेलवे परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) इन परियोजनाओं के विकास के लिए विशेष रूप से उक्त राज्य हेतु आवंटित और जारी की गई निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए कोई कदम उठाया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

S.K

उत्तर प्रदेश में चल रहीं/लंबित रेलवे परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को लोक सभा में श्री प्रवीण पटेल के अतारांकित प्रश्न सं. 1434 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है, न कि राज्य-वार, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती है। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम छोर संपकर्ता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुचित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकता, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है, जो चल रही परियोजनाओं के थ्रोफारवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, 44,488 किलोमीटर कुल लंबाई, 7.44 लाख करोड़ की लागत वाली 488 रेल अवसंरचना परियोजनाएँ (187 नई लाइन, 40 आमान परिवर्तन और 261 दोहरीकरण) है जो योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से 12,045 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक लगभग 2.92 लाख करोड़ रु. का व्यय किया जा चुका है। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई एनएल/जीसी/ डीएल (कि.मी.)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च 2024 तक कुल व्यय (करोड़ रू में)
नई लाइनें	187	20,199	2,855	1,60,022
आमान परिवर्तन	40	4,719	2,972	18,706
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	261	19,570	6,218	1,13,742
कुल	488	44,488	12,045	2,92,470

S.K

रेल परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्र-वार/वर्ष-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया गया है। भारतीय रेल में अवसरंचना परियोजनाओं के लिए परिव्यय का विवरण निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹11,527 करोड़/वर्ष
2024-25	₹68,634 करोड़ रुपये (लगभग 6 गुना)

भारतीय रेल में नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	औसतन कमीशन किए गए नये रेलपथ
2009-14	7,599 कि.मी.	4.2 कि.मी./दिन
2014-24	31,180 कि.मी.	8.54 कि.मी./दिन (2 गुना से अधिक)

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः रूप से पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे क्षेत्रों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाता है।

01.04.2024 के अनुसार, कुल 5,874 किलोमीटर लंबाई, ₹92,001 करोड़ की लागत की 68 रेल परियोजनाएं (16 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 49 दोहरीकरण), जो पूर्णतः/अंशतः रूप से उत्तर प्रदेश राज्य में पड़ती हैं, योजना और क्रियान्वयन के विभिन्न चरण में हैं, जिनमें से 1,313 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2024 तक ₹28,366 करोड़ का व्यय किया जा चुका है।

S.K

कार्य की स्थिति का सारांश निम्नानुसार है

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइनें	16	1740	297	8672
आमान परिवर्तन	3	261	0	26
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	49	3873	1016	19668
कुल	68	5874	1313	28366

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः रूप से पड़ने वाली अवसरंचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,109 करोड़ रु./वर्ष
2024-25	19,848 करोड़ रुपये (17 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और 2014-24 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेपलथ के कमीशन/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	कमीशन किए गए नए रेलपथों का औसत
2009-14	996 किमी	199.2 किमी/वर्ष
2014-24	4,902 किमी	490.2 किमी/वर्ष (2.4 गुणा से अधिक)

S.K

किसी भी रेल परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के अधिकारियों द्वारा वन मंजूरी, लागत साझाकरण परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा लागत हिस्सेदारी का जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, उल्लंघनकारी जन सुविधाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से वैधानिक मंजूरी, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण किसी विशेष परियोजना स्थल के लिए एक वर्ष में कार्य महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

रेल परियोजनाओं के शीघ्र अनुमोदन और कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों में (i) गति शक्ति इकाइयों की स्थापना (ii) परियोजनाओं को प्राथमिकता (iii) प्राथमिकता वाली परियोजनाओं पर धन के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि (iv) क्षेत्र स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन (v) विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की सघन निगरानी, और (vi) भूमि अधिग्रहण, वन संबंधी और वन्यजीव मंजूरी में तेजी लाने और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई शामिल है। इसके परिणामस्वरूप 2014 से कमीशनिंग की दर में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

****

S.K